पाठ्यक्रम

(Syllabus)

स्नातक/बी.ए. राजनीति विज्ञान

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम ढांचा (LOCF)

(पाठ्यक्रम कोड- बीएपीएस)

सत्र :2020-21से 2022-23तक

राजनीतिविज्ञानविभाग

Political Science Department

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

Faculty of Social Science

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्य04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान; शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विभाग की कार्य-योजना :

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग कीविस्तृत कार्य-योजना :

शीर्षक	कार्य-योजनाएँ
शिक्षण	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचारऔर मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना। ✓ राजनीतिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओंके साथ-साथ आसन्न राजनीतिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना। ✓ ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
प्रशिक्षण (यदि कोई है)	• हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना। • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना। • उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना। • अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना। • राजनीतिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन। • विभिन्न राजनीतिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन। • छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन। • वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।
शोध	• राजनीतिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओंके साथ-साथ आसन्न राजनीतिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्र। • भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ अंतरविषयी दृष्टिकोण।

	पी-एच.डी. कार्यक्रम : X
	शोध-परियोजना : X
ज्ञान-वितरण के माध्यम	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है)	X

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template forthe Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :**राजनीति विज्ञान विभाग,
   (Name of the Department/Centre)

2. **पाठ्यक्रम का नाम :**राजनीति विज्ञान में स्नातक
   (Name of the Programme)

3. **पाठ्यक्रम कोड :**BAPS
   (Code of the Programme)

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम छात्रों को ऐसी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जो उनमें राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न कर एवं उसे बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता को पुष्ट करता है। • पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक न्याय की समझ को पुष्ट करना है। • सामाजिक विज्ञान के विविध अनुशासनों में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों में सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकासकिया जाएगा। • समसामयिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति समझ विकसित होगा। • राजनीतिक व्यवस्था एवं राजनीतिक प्रक्रिया के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान की आगमनात्मक एवं निगमनात्मक सहित विभिन्न अध्ययन पद्धतियों एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्योंसे परिचय होगा। • विद्याथियों में राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु समझ विकसित होगा।	• विकसित एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोगों से सैद्धांतिक दृष्टि एवं कौशल विकसित होगा। • अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय राजनीतिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य के प्रति रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा। • नैतिक और व्यावसायिक व्यवहार का विकास होगा तथा सुशासन की दृष्टि से जनसहभागिता एवं उत्तरदायित्व पूर्ण जीवन दृष्टि का विकास होगा । • अग्रिम राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, मानवाधिकार और पर्यावरणीय न्याय संबंधी समझ का विकास होगा । • राजनीतिक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास संबंधी कौशल का विकास होगा। • व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के साथ राजनीतिक गतिविधियों एवं हस्तक्षेप संबंधी कौशल का विकास होगा । • राजनीतिक एवं प्रशासनिक योजना निर्मिति एवं उसकेक्रियान्वयन संबंधी कौशल का विकास होगा ।	• माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में शिक्षण एवं शोध का अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • राजनीति विज्ञानी के रूप में अवसर। • प्रशासनिक सेवा एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अन्तर्राष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर। • राजनीतिक विश्लेषक, सोशल मीडिया मैनेजर एवं राजनीतिक सलाहकार के रूप में अवसर । • सरकारी एवं गैस-सरकारी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनोंविकसित एवं विकासशील देशों के लिए जागरूकता अभियानों और परियोजनाओं में राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सेवा का अवसर ।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा, तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट
विकल्प 1	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्यपाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्यपाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3.भारतीय संस्कृति 4.भारतीय चिंतक	1.कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख**एवं **समूह-ग**से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-गमें उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख**से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

बी. ए. राजनीति विज्ञान (120 क्रेडिट)

सत्र : 2020-23 सेमेस्टरवार विवरण

प्रथम सेमेस्टर			द्वितीय सेमेस्टर		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएपीएस 01-	राजनीति विज्ञान के सिद्धांत	4	बीएपीएस03 -	भारतका संविधान	4
बीएपीएस–02	संविधान एवं सरकार	2	बीएपीएस04 -	विश्वकेप्रमुख संविधान	2
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख**अथवा**समूह-ग**से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2	ऐच्छिक	विषय **समूह-ख**अथवा**समूह-ग**से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2	**अनिवार्य (हिंदी)**	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2
अतिरिक्त अनिवार्य –1	**कंप्यूटर दक्षता**	**4**	**अनिवार्य 1 -**	**पर्यावरण**	4
कुल क्रेडिट		**18**	**कुल क्रेडिट**		**22**

तृतीय सेमेस्टर			चतुर्थ सेमेस्टर		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएपीएस–5	प्राचीन एवंमध्यकालीनभारतीयराजनीतिक चिन्तन	4	बीएपीएस7 -	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन	4
बीएपीएस–6	पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	2	बीएपीएस8 -	आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	2
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख**अथवा**समूह-ग**से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2	ऐच्छिक 1 -	विषय **समूह-ख**अथवा**समूह-ग**से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2	**अनिवार्य (हिंदी)**	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2
अनिवार्य 2 -	**भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार**	4	**अतिरिक्त अनिवार्य - 2**	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं में से (हिंदी के अतिरिक्त) कोई एक भाषा	**4**
कुल क्रेडिट		**22**	**कुल क्रेडिट**		**18**

पंचम समेस्टर			षष्टम समेस्टर		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएपीएस9 -	आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	3	बीएपीएस–12	अंतर्राष्ट्रीयराजनीतिकेप्रमुखसिद्धान्त	3
बीएपीएस10 -	लोकप्रशासन	3	बीएपीएस–13	भारतकीविदेशनीतिएवंअंतर्राष्ट्रीयसंबंध	3
बीएपीएस11 -	भारतीयप्रशासनकेनवीनआयाम	3	बीएपीएस–14	द्वितीयविश्वयुद्धोत्तरअंतर्राष्ट्रीयराजनीति	3
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	3 3 3	**अनिवार्य (हिंदी)**	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	3 3 3
अनिवार्य3 -	**भारतीय संस्कृति**	2	**अनिवार्य 4 -**	**भारतीय चिंतक**	2
कुल क्रेडिट		**20**	**कुल क्रेडिट**		**20**

नोट: स्नातक पाठ्यक्रम हेतु राजनीति विज्ञान विषय में कुल 42 क्रेडिट का अध्यापन कार्य किया जाएगा। जबकि 78 क्रेडिट विश्वविद्यालय के अन्य अध्ययन विभागों में सहभागिता से अर्जित किया जाएगा।

टिप्पणी

- बी.ए.– राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम कुल 120 क्रेडिट का होगा एवं इसकी अवधि छ: सेमेस्टर (तीन वर्ष) की होगी।
- प्रथम और चतुर्थ सेमेस्टर 18-18 क्रेडिट का, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर 22-22 क्रेडिट का तथा पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर 20-20 क्रेडिट का होगा।
- राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रथम से चतुर्थ समेस्टर तक विद्यार्थी को 04 एवं 02 क्रेडिट के दो विषयपत्रों (06 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर) को पढ़ाया जाएगा। इसी प्रकार पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर में विद्यार्थी को राजनीति विज्ञान में 03-03 क्रेडिट के तीन विषयपत्रों (09 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर) को पढ़ाया जाएगा।
- इस प्रकार कुल 120 क्रेडिट के विषयपत्रों में से 42 क्रेडिट के विषयपत्र (Courses) राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा पढ़ाए जाएंगे तथा शेष 78 क्रेडिट (ऐच्छिक, अनिवार्य हिंदी एवं अनिवार्य पाठ्यचर्या) विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा पढ़ाए जाएंगे जिन्हें छात्र अपनी रूचि के अनुसार चुनसकेंगे।
- कंप्यूटर दक्षता (04 क्रेडिट) प्रथम सेमेस्टर में एवं भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के अतिरिक्त उपलब्ध करायी गयी भाषाओं में से कोई एक भाषा) (04 क्रेडिट) चतुर्थ सेमेस्टर में अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या होगी। उपाधि प्राप्त करने हेतु 50 प्रतिशत अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके क्रेडिट मुख्य परीक्षा में सम्मिलित नहीं होंगे।
- प्रत्येक छमाही में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु राजनीति विज्ञान की प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (CoreCourse)			अनिवार्य/ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Compulsory/ElectiveCourse)			योग
प्रथम सेमेस्टर	बीएपीएस - 01	राजनीति विज्ञान के सिद्धांत	4				18 क्रेडिट
	बीएपीएस - 02	संविधान एवं सरकार	2				
द्वितीयसेमेस्टर	बीएपीएस - 03	भारतका संविधान	4				22 क्रेडिट
	बीएपीएस - 04	विश्वकेप्रमुख संविधान	2				
तृतीय सेमेस्टर	बीएपीएस - 05	प्राचीन एवंमध्यकालीनभारतीयराजनीतिक चिन्तन	4				22 क्रेडिट

	बीएपीएस - 06	पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	2				
चतुर्थ सेमेस्टर	बीएपीएस - 07	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन	4				18 क्रेडिट
	बीएपीएस - 08	आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	2				
पंचम सेमेस्टर	बीएपीएस - 09	प्रमुखराजनीतिकविचारधाराएं	3				20 क्रेडिट
	बीएहपीएस - 10	लोकप्रशासन	3				
	बीएहपीएस - 11	भारतीयप्रशासनकेनवीनआयाम	3				
षष्टम सेमेस्टर	बीएपीएस - 12	अंतर्राष्ट्रीयराजनीतिकेप्रमुखसिद्धान्त	3				20 क्रेडिट
	बीएपीएस - 13	भारतकीविदेशनीतिएवंअंतर्राष्ट्रीयसंबंध	3				
	बीएपीएस - 14	द्वितीयविश्वयुद्धोत्तरअंतर्राष्ट्रीयराजनीति	3				
कुल क्रेडिट	**42 क्रेडिट**			**78 क्रेडिट**			**120 क्रेडिट**

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यचर्या विवरण

Template for theCourse

1. पाठ्यचर्या का नाम:राजनीति विज्ञान के सिद्धांत

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस **-01**
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** प्रथम
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्याछात्रों को राजनीति विज्ञानका अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति को भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि को समझने में मदद करेगा, यह विद्यार्थियों को 'राज्य' की उत्पत्ति एवं कार्य के विभिन्न सिद्धांतों, लोक-कल्याणकारी राज्य की अवधारणा तथा संप्रभुता,विधि, अधिकार, स्वतन्त्रता तथा समानता की अवधारणा के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी राजनीति विज्ञान का अर्थ, परिभाषा, पद्धति व क्षेत्र के भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी राज्य का अर्थ, परिभाषा एवं तत्वों के बारे में जान सकेंगे तथा राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राज्य के कार्य के सिद्धांतों, लोक-कल्याणकारी राज्य की अवधारणा तथा संप्रभुता के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी विधि, अधिकार, स्वतन्त्रता तथा समानता की अवधारणा का विश्लेषण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			क्रेडिट	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	राजनीति विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषा	3	1	1	15	25
	राजनीति विज्ञान की प्रकृति एवं क्षेत्र (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)	3	1	1		
	राजनीति विज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)	3	1	1		
मॉड्यूल-2	राज्य का अर्थ, परिभाषा एवं राज्य के तत्व, (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)	5	1	1	15	25
	राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त : दैवीय, शक्ति, सामाजिक संमझौता, एवं विकासवादी सिद्धांत (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)	6	1	1		
मॉड्यूल-3	राज्य के कार्य के सिद्धान्त : उदारवादी, मार्क्सवादी एवं भारतीय उपागम	3	1	1	15	25
	लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा: पूंजीवाद, समाजवाद एवं योगक्षेम	3	1	1		
	सम्प्रभुता, संप्रभुता का भारतीय परिप्रेक्ष्य : एकलवादी एवं बहुलवादीअवधारणा	3	1	1		
मॉड्यूल-4	विधि/कानून	3	1	1	15	25
	अधिकार एवं कर्तव्य	3	1	1		
	स्वतंत्रता और समानता	3	1	1		
योग		**38**	**11**	**11**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांतपाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. अर्शीवादम, ए.डी. (). *राजनीतिक सिद्धांत*. नई दिल्ली: एस.चाँद एण्ड कंपनी. 2. गावा,ओम प्रकाश. ().*राजनीतिक सिद्धांत की रूपरेखा*.नोएडा:मयूर पेपर बैक्स. 3. राय, गांधीजी . (). *राजनीतिक सिद्धांत*. नई दिल्ली:लोक भारती प्रकाशन. 4. भार्गव, राजीव., आचार्य, अशोक. ().*राजनीतिक सिद्धांत एक परिचय*. दिल्ली:पीयरसन. 5. संधु, ज्ञान सिंह. (). *राजनीतिक सिद्धांत*. दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 6. शर्मा,डॉ. हरिश्चंद्र. (). *आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत*. नई दिल्ली:डिस्कवरी प्रकाशन. 7. द्विवेदी, डॉ. कपिलदेव. (). *वेदों में राजनीतिशास्त्र*. भदोही:विश्वभारती अनुसंधान परिषद ज्ञानपुर. 8. चतुर्वदी, डॉ. मधुमुकुल.(). *राजनीतिक विज्ञान के मूल आधार*. जयपुर:राज पब्लिकेशन. 9. अग्रवाल, डॉ. लोकेश.(). *राजनीतिक सिद्धांत*.नई दिल्ली:डिस्कवरी प्रकाशन. 10. पुरोहित, बी. आर.(). *राजनीतिक सिद्धांत*. जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:संविधान एवं सरकार
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -02
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:**प्रथम
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
इस पाठ्यचर्याका उद्देश्य संविधान, सरकार इनके प्रकार एवं विविध रूप के बारे में अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र संसदात्मक, अध्यक्षात्मक, एकात्मक, संघात्मक शासन व्यवस्थाओं, राजनीतिक दलों के कार्यों एवं दबाव समूहों, जनमत/लोकमत, नागरिक समाज के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी संविधान एवं सरकार तथा इनके प्रकार एवं विविध रूपोंके बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी व्यवस्थापिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की कार्य प्रणाली को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी संसदात्मक एवं अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था व एकात्मक एवं संघात्मक शासन व्यवस्था के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राजनीतिक दलों एवं दबाव समूहों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी जनमत/लोकमत के प्रभाव के साथ साथ नागरिक समाज के भूमिका का अध्ययन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	संविधान: अर्थ एवं प्रकार	2			7	23.4

	संसदात्मक और अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था	2				
	एकात्मक और संघात्मक शासन व्यवस्था	2		1		
मॉड्यूल-2	व्यवस्थापिका	2		1	8	26.6
	कार्यपालिका	2				
	न्यायपालिका	2		1		
मॉड्यूल-3	राजनीतिक दल	3		1	7	23.4
	दवाव समूह	2		1		
मॉड्यूल-4	जनमत / लोकमत	2	1	1	8	26.6
	नागरिक समाज (सिविल सोसायटी)	2	1	1		
योग		**21**	**2**	**7**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. पुरोहित,बी. आर. (). *राजनीति विज्ञान के सिद्धांत*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. जैन,पुखराज. ().*सरकार*.आगरा:साहित्य भवन. 3. नारायण, इकबाल. (). *राजनीति विज्ञान के सिद्धांत*. 4. गुप्ता,आशा. ().*तुलनात्मक शासन एवं राजनीति (समकालीन प्रवृत्तियाँ)*.नई दिल्ली:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 5. राय,गांधीजी. (). *तुलनात्मक शासन एवं राजनीति*. पटना:भारती भवन. 6. त्यागी,ए. पी., रस्तोगी,आर. के. (). *तुलनात्मक सरकारे*. मेरठ:संजीव प्रकाशन. 7. यादव,डॉ. डी. एस. (). *तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण*.नई दिल्ली:रजत प्रकाशन. 8. जौहरी,जे. सी. (). *तुलनात्मक राजनीति*.नई दिल्ली:स्टर्लिंग प्रकाशन. 9. गाबा,ओम प्रकाश. (). *तुलनात्मक राजनीति रूपरेखा*. नोएडा:मयुर पेपर वैक्स. 10. माहेश्वरी,एस. आर., अग्रवाल,लक्ष्मीनारायण. ().*तुलनात्मक राजनीति*. नई दिल्ली.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. पाठ्यचर्या का नाम:भारतका संविधान
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएपीएस -03
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:4 **4. सेमेस्टर:**द्वितीय
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संविधान से अवगत कराना है। इसके माध्यम से वे भारतीय संविधान कीप्रमुख विशेषतायें, उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि, प्रदत्त मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य व नीति निर्देशक तत्वों, संघीय एवं राज्यव्यवस्थापिका तथा कार्यपालिका की कार्य प्रणाली, एवं भारतीय न्यायिक व्यवस्था के बारे में अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारतीय संविधान कीप्रमुख विशेषताओं एवं संविधान की दार्शनिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य व नीति निर्देशक तत्वों की अवधारणात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय संघीय व्यवस्थापिका तथा राज्य विधानमण्डल की कार्य प्रणाली की विधाओं को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय संविधान में संघ एवं राज्य की कार्यपालिका तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ	4	1	1	15	25

	भारतीय संविधान की दार्शनिक पृष्ठभूमि (प्रस्तावना)	6	1	2		
मॉड्यूल-2	मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य	7	1	1	15	25
	राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त	4	1	1		
मॉड्यूल-3	संघीय व्यवस्थापिका– संसद (लोक सभा एवं राज्य सभा)	3		1	15	25
	राज्य व्यवस्थापिका - विधानमण्डल (विधान सभा एवं विधान परिषद)	3		1		
	संविधान संशोधन के प्रावधान	3		1		
	निर्वाचन आयोग	3				
मॉड्यूल-4	संघीय कार्यपालिका: राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री एवं संघीय मंत्रिपरिषद	4		1	15	25
	राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं राज्य मन्त्रिपरिषद	3		1		
	उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय	2		1		
	भारत के महान्यायवादी एवं राज्य का महाधिवक्ता	2		1		
योग		**44**	**4**	**12**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह,महेन्द्र प्रसाद. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति.*दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदीमाध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 2. सिंह,महेन्द्र प्रसाद., राय,हिमांशु. (). *भारतीयराजनीति, प्रणाली संरचना नीति और विकास.*दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 3. चौधरी,बी.एन.,कुमार,युवराज. (). *भारत में राजनीतिक प्रक्रिया.*दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 4. सईद,एस.एम.(). *भारतीय राजनीतिक व्यवस्था.*लखनऊ:सुलभ प्रकाशन. 5. बासु, दुर्गा दास. ().*भारत कासंविधान परिचय.*नागपुर:लेक्सिसवटर वर्थस. 6. पाण्डेय,जय नारायण. (). *भारत कासंविधान.*इलाहाबाद:सेंट्रलएजेन्सी. 7. शर्मा,ब्रज किशोर. (). *भारत कासंविधान.*नई दिल्ली:पी.एच.आई.लर्निंग प्रा.लि. 8. मंगलानी,रूपा. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 9. जोशी,आर.पी.(सम्पादक).(). *भारतीय सरकार एवं राजनीति.* राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 10. काश्यप,सुभाष. (). *संसदीयप्रक्रिया.* राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: विश्वकेप्रमुख संविधान
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 24. सेमेस्टर:द्वितीय
(Credit) (Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्याछात्रों को विश्व के चार प्रमुख देशों - ब्रिटेन, अमेरिका, स्विट्ज़रलैंड और फ़्रांस के संविधान तथा वहाँ की सरकार एवं संवैधानिक व्यवस्था से अवगत कराएगा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र इन देशों के संविधान की प्रमुख विशेषताओं,संसद, प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति, इत्यादि के संदर्भ में जान सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी ब्रिटिश संविधान की प्रमुख विशेषताओं,संसद, राजतंत्र तथा प्रधानमंत्री की कार्य पद्धति को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी अमेरिका के संवैधानिक विकास, संघीय व्यवस्था, काँग्रेस तथा राष्ट्रपति के कार्यों से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी स्विट्जरलैण्ड के शासन व्यवस्था एवं राजनीतिक दलों का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी फ़्रांस के संविधान केप्रमुख विशेषताएँ और वहाँ के राजनीतिक दल के साथ कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायिक व्यवस्था का अध्ययन कर सकेंगे।

ज्ञान शांति मैत्री

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	ब्रिटिश संविधान : प्रमुख विशेषताएँ, संसद, राजतन्त्र, प्रधानमन्त्री, मन्त्रिपरिषद एवं राजनीति दल	6	-	1	7	23.4
मॉड्यूल-2	अमरीकी संविधान : प्रमुख विशेषताएँ, कांग्रेस, संघीय व्यवस्था, राष्ट्रपति, एवं राजनीतिक दल	7		1	8	26.6
मॉड्यूल-3	स्विट्जरलैण्ड का संविधान : प्रमुख विशेषताएँ, संधीय विधानमंडल, प्रत्यक्ष लोकतन्त्र, बहुल कार्यपालिका एवं राजनीतिक दल	6		1	7	23.4
मॉड्यूल-4	फ्रांसीसी संविधान: प्रमुख विशेषतायें, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका एवं राजनीतिक दल	7		1	8	26.6
योग		**26**		**4**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. अनुपचन्द्र., मिश्रा,के. के. ().*प्रमुख देशों के संविधान (ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, स्वीटजरलैंड)*.नई दिल्ली:एवं एस. चंद. 2. नारायण,प्रो. इकबाल. ().*प्रमुख देशों के संविधान, (ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, स्वीटजरलैंड)*.आगरा:शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी. 3. जैन,पुखराज. (). *विश्व के प्रमुख संविधान*.आगरा:साहित्य भवन. 4. सिंह,वीरकेश्वर प्रसाद. *विश्व के प्रमुख संविधान*.पटना:ज्ञानदा प्रकाशन. 5. उप्रेती,नंदिनी. (). *विश्व के प्रमुख संविधान*.जयपुर:प्वाइंटर पब्लिशर्स. 6. चढ्ढा,पी. के. (). *विश्व के प्रमुख संविधान*.जयपुर:आदर्श पब्लिकेशन. 7. सौगानी, एम. सी. ().*विश्व के प्रमुख संविधान*.जयपुर:विद्या पब्लिकेशन. 8. जौहरी,जे. सी. (). *विश्व के प्रमुख संविधान*.आगरा:शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:प्राचीन एवं मध्यकालीनभारतीयराजनीतिक चिन्तन
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 44. सेमेस्टर:तृतीय
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की परंपरा से अवगत करने के साथ साथ राजनीति और राज्य के प्रबंधन पर प्राचीन भारतीय दर्शनिकों द्वारा निर्मित विचारों का निरूपण करता है। यह पाठ्यक्रम उन्हें वेद, उपनिषद, पुराण आदि धर्मशास्त्रों, महाकाव्यों एवं स्मृति व नीति ग्रन्थों के साथ कौटिल्य के अर्थशास्त्र एवं जैन और बौद्ध धर्म एवं साहित्य में निहित राजनीतिक चिंतन कोजानने, समझने व सीखने की दृष्टि प्रदान करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के दृष्टि से वैदिक एवं उत्तरवैदिक धर्मग्रंथों की विषयवस्तु एवं राजनीतिक विचारों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी रामायण व महाभारत महाकाव्य में निहित राजा, राजतंत्र, गणतन्त्र व प्रशासनिक नीतियों के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय विचारकों मनु, कौटिल्य, शुक्र एवं कमंदक के राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी जैन एवं बौद्ध धर्म तथा साहित्य में निहित राजनीतिक दर्शन की समझ विकसित करेंगे।
- विद्यार्थी मध्यकालीन भारतीय चिंतकों के राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	प्राचीन भारतीय चिंतन की प्रमुख विशेषताएँ एवं स्रोत	4		1	15	25
	वैदिक कालीन राजनीतिक चिंतन एवं संस्थाएँ	4		1		
	प्राचीन भारत में गणराज्य का स्वरूप (वैदिक परंपरा से जैन परंपरा तक)	4		1		
मॉड्यूल-2	रामायण में राज्य, राजा, राजधर्म एवं प्रशासनिक नीतियाँ	3		1	15	25
	महाभारत (शांतिपर्व) में राज्य, राजा, राजधर्म एवं प्रशासनिक नीतियाँ	3		1		
	मनुस्मृति में राज्य, राजा एवं प्रशासन सम्बधी चिंतन	6		1		
मॉड्यूल-3	अर्थशास्त्र (कौटिल्य) में राज्य, राजा, मंत्रिमण्डल, सप्तांग सिद्धान्त एवं परराष्ट्रनीति	5		1	15	25
	शुक्रनीतिसार में राजनीतिक विचार	2				
	कामन्दक नीतिसार में राजनीतिक विचार	2				
	जैन परम्परा में राजनीतिक चिंतन	2				
	बौद्ध परम्परा में राजनीतिक चिंतन	2		1		
मॉड्यूल-4	कल्लहड़ का राजनीतिक चिंतन	3		1	15	25
	नानक का राजनीतिक चिंतन	3		1		
	कबीर का राजनीतिक चिंतन	3		1		
	बरनी का राजनीतिक चिंतन	2		1		
योग		**48**		**12**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. परमात्माशरण. (). *प्राचीनभारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ*. नई दिल्ली:मीनाक्षीप्रकाशन. 2. घोषाल, यू.एस. (). *प्राचीनभारतीय राजनीतिक संस्थाएँ*.मुम्बई:ओ.पी.यू. 3. प्रसाद,ओमप्रकाश. (). *कौटिल्य का अर्थशास्त्र*.राजकमल प्रकाशन. 4. अल्टेतकर,ए.एस., वनारसीदाल, मोतीलाल.(). *प्राचीनभारत में राज्य एवं सरकार*.दिल्ली. 5. गुप्ता,एस.एन.दास. (). *भारतीयदर्शन का इतिहास*.जयपुर. राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी. 6. कमल,के.एल.(). *प्राचीनभारतीय चिंतन*.जयपुर.राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी. 7. त्यागी,रुचि.(संपादक). (). *प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*.दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 8. शर्मा,संतोष. (). *मध्यकालीनभारतीय राजनीतिक चिंतन*.रावतप्रकाशन. 9. विप्लव. (). *भारतीयराजशास्त्र के प्रणेता*. उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान. 10. अग्रवाल,डॉ. कन्हैयालाल. ().*प्राचीनभारत का राजनीतिक इतिहास*.मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी. 11. चतुर्वेदी,डॉ. मधुकर श्याम. (). *प्रमुखभारतीय राजनीतिक विचारक*.कॉलेज बुकहाउस. 12. मुखर्जी,राधा कुमुद (). *प्राचीन भारत*.राजकमल प्रकाशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस - 06
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:**तृतीय
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों से परिचित कराना है, जिन्होने पश्चिमी राजनीति विज्ञान के विचारों और अवधारणाओं को स्वरूप प्रदान किया। पाश्चात्य राजनीतिक विचार की यह कड़ीयूनानी विचारक प्लेटो से होते हुए रूसो जैसे सामाजिक समझौतावादी विचारक के साथ समाप्त होती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी पाश्चात्य राजनीतिक चिंतकों सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू के राजनीतिक विचारों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी मध्यकालीनराजनीतिक चिंतन की प्रमुख विशेषताओं, टॉमस एक्वीनास के राजनीतिक विचार, परिषदीय आंदोलन व चर्च-राज्य संबंध को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी पुनर्जागरण,एवं धर्म सुधार आंदोलन के साथ मैकियावेली व जीन बोंदा के राजनीतिक विचारों को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक सम्झौतावादी विचारकों हाब्स, लॉक, रूसो के राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	सुकरात के राजनीतिक विचार	2			7	23.4
	प्लेटो के राजनीतिक विचार	2		1		
	अरस्तू के राजनीतिक विचार	2				
मॉड्यूल-2	मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तन : प्रमुख विशेषताएँ	2		1	8	26.6
	संत टामस एक्वीनास के राजनीति विचार	2				
	परिषदीय आन्दोलन एवं चर्च-राज्य सम्बन्ध	2		1		
मॉड्यूल-3	मैकियावेली के राजनीतिक विचार	3		1	7	23.4
	जीन बोंदा के राजनीतिक विचार	2		1		
मॉड्यूल-4	टॉमस हॉब्स के राजनीतिक विचार	2		1	8	26.6
	जॉन लॉक के राजनीतिक विचार	2		1		
	जीन जैक्स रूसो के राजनीतिक विचार	2				
योग		**23**		**7**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. झा,ब्रज किशोर. (). *प्रमुख राजनीतिक चिंतक- Vol-I, II*. पटना:बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. गाबा,ओम प्रकाश. (). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.नोएडा:मयूर पेपर बैक्स. 3. कमल,प्रो. के.एल.(). *प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 4. शर्मा,प्रभुदत्त. (). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*.दिल्ली:कालेज बुक डिपो. 5. वेपर,सी.एल.(). *राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय*.इलाहाबाद:किताब महल. 6. नखाडे,नागपाल., नखाडे,अमृत. (). *प्रमुख राजनीतिक विचारक*.दिल्ली:किताब महल. 7. गाबा,ओम प्रकाश. ().*राजनीतिक विचारक विश्वकोश*.नोएडा: मयूर पेपर बैक्स. 8. मुखर्जी,सुर्भतो. (). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. पुरोहित,वी.आर.(). *राजनीतिक चिंतन का विकास*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 10. वार्कर,सर अर्नेस्ट. (). *यूनानी राजनीति सिद्धांत*. दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 11. सिवली,मलफर्ड क्यू. ().*राजनीतिक विचार और विचारधाराएँ*. जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 12. फोस्टर,माइकेल बी. (). *राजनीतिक चिंतक के आचार्य*. दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस-07
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के माध्यम से छात्र आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन को समझ सकेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन की मुख्य विशेषताओं से अवगत करना है। इस पाठचर्या में छात्र राजा राम मोहन रॉय, पेरियार, रामस्वमी, तिलक, लाला लाजपत रॉय, स्वामी दयानन्द एवं विवेकानंद, श्री अरविंद, सावरकर, मालवीय जी, गांधी जी सरदार पटेल, नेहरू, अंबेडकर, जय प्रकाश नारायण, लोहिया एवं दीन दयाल उपाध्याय के विचारों का अध्ययन कर सकेंगे ।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन का सीधा और सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थी केमानस पटल पर पड़ता है जिससे वह अपने जीवन व व्यक्तित्व में रचनात्मकता और सृजनशीलता ला सकेगा।
- आधुनिक समाज सुधारकों तथा राजनीतिक चिंतकों की सोच और कृतियों का अध्ययन कर के विद्यार्थी समाज में व्याप्त कुरीतियों और उसे समाप्त करने की समझ विकसित हो सकेगी।
- आधुनिक समाज सुधारकों एवं राजनीतिक चिंतकों के विचारों को समझ कर विद्यार्थी वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवेश और परिदृश्य में व्यापक बदलाव ला सकते हैं क्योंकि वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक स्वरूप पर पूर्व की स्थितियों का सीधा प्रभाव पड़ता है।
- इस पाठ्यचर्या में प्रमुख आधुनिक भारतीय राजनीतिक-सामाजिक चिन्तकों के विचारों को सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों का सचार करने में सफल हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	राजा राम मोहन रॉय के राजनीतिक विचार	2		1	15	25
	पेरियार एवं ई. वी. रामास्वामी के राजनीतिक विचार	3		1		
	बाल गंगाधर तिलक के राजनीतिक विचार	2	1	1		
	लाला लाजपत रॉय के राजनीतिक विचार	2	1	1		
मॉड्यूल-2	स्वामी दयानन्द सरस्वती के राजनीतिक विचार	2		1	15	25
	स्वामी विवेकानंद के राजनीतिक विचार	4		1		
	श्री अरविन्द घोष के राजनीतिक विचार	2		1		
	सावरकर के राजनीतिक विचार	3		1		
मॉड्यूल-3	मदन मोहन मालवीय के राजनीतिक विचार	2		1	15	25
	महात्मा गांधी के राजनीतिक विचार	4		1		
	सरदार पटेल के राजनीतिक विचार	3		1		
	जवाहर लाल नेहरू के राजनीतिक विचार	2		1		
मॉड्यूल-4	भीमराव अम्बेडकर के राजनीतिक विचार	3		1	15	25
	जयप्रकाश नारायण के राजनीतिक विचार	3		1		
	राम मनोहर लोहिया के राजनीतिक विचार	2		1		
	दीन दयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचार	3		1		
योग		**42**	**2**	**16**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. पुरोहित,वी.आर.().*आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण., वर्मा,डॉ. वी. पी. (). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक*.आगरा. 3. अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण., अवस्थी, डॉ. वी. पी. ().*भारतीय राजनीतिक विचारक*.आगरा. 4. कुमार, अजय., अली,इस्लाम. ().*भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पाएँ एवं विचारक*.नई दिल्ली:पियरसन. 5. त्यागी,रुचि. (). *भारतीय राजनीतिक चिंतन प्रमुख अवधारणाएँ एवं चिंतक*. दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 6. कुमार,अजय.(संपादक). (). *भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाए एवंविचारक*.दिल्ली: फीमर्सन. 7. कमल,प्रो. के.एल. (). *भारतीयराजनीतिक चिंतन*.राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. चक्रवर्ती, विद्युत., पाण्डेय,राजेन्द्र कुमार. ().*आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*.नई दिल्ली:सेज प्रकाशन. 9. सिंह,एम. (). *आधुनिक भारत के राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराएँ*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 10. शर्मा,वी. ().*आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारधाराएँ*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 11. प्रसाद,यू. ().*भारत में मतदान व्यवहार के बदलते आयाम: वर्तमान परिप्रेक्ष्य*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 12. नेमा,जी.पी. (). *भारतीय राजनीतिक विचारक*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 13. अग्रवाल,लक्ष्मीनारायण., वर्मा,डॉ. वी.पी. (). *आधुनिकभारतीय राजनीतिक चिंतन*.आगरा.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस.-08
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के विकास को समझने में सहायता मिलेगी एवं सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियाँ किस प्रकार राजनीतिक चिंतन को पनपने में सहयोग करती हैं, का ज्ञान प्रदान होगा। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से वर्तमान राजनीतिक चिंतन को समझने में भी सहायता मिलेगी तथा वर्तमान राजनीतिक संस्थाओं की स्थापना में इसके योगदान को जान सकेंगे। इस पाठ्चर्या में मुख्यत वेद, मिल, स्पेंसर, ही मेल, भीन, मार्क्स, लेलिन, गांधी, राल्स, नॉजिक, इन्ना ओरंट, फांज फेनान और माकों जेदोंग के राजनीतिक विचार समिल्लित हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- आधुनिक पाश्चात्य चिंतन के अंतर्गत विद्यार्थी राजनीति, स्वतन्त्रता, न्याय, संपत्ति, अधिकार, कानून तथा सत्ता द्वारा कानून को लागू करने आदि विषयों से संबन्धित प्रश्नो की समझ विकसति कर सकेंगे।
- कौन सी वस्तु सरकार को वैध बनती है, किन अधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करना सरकार का कर्तव्य है, विधि क्या है, किसी वैध सरकार के प्रति नागरिकों के क्या कर्तव्य हैं, आदि विषयों की समझ विससित कर सकेंगे।
- राजनीतिक चिंतन किसी पूरे युग का अंतर्वर्ती दर्शन होता है जिसके द्वारा इतिहास की व्याख्या करने और भविष्य की संभाविक घटनाओं के बारे में पूर्वानुमान लगाने का प्रयत्न किया जाता है। इससे विद्यार्थी मे विचारशीलता का विकास होगा और वे राजनीतिक चिन्तन के अन्तर्वर्ती दर्शन की समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	बेन्थम के राजनीतिक विचार	2		1	7	23.4
	जे.एस.मिल. के राजनीतिक विचार	3		1		
मॉड्यूल-2	हीगेल के राजनीतिक विचार	3		1	8	26.6
	टी.एच.ग्रीन के राजनीतिक विचार	3		1		
मॉड्यूल-3	कार्ल मार्क्स के राजनीतिक विचार	4		1	8	26.6
	माओ-त्से-तुंग के राजनीतिक विचार	2		1		
मॉड्यूल-4	जॉन रॉल्स के राजनीतिक विचार	3		1	7	23.4
	हन्ना आरेन्ट के राजनीतिक विचार	2		1		
योग		**22**		**8**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. झा, ब्रज किशोर. (). *प्रमुख राजनीतिक चिंतक, Vol-I, II*.पटना:बिहारहिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. गाबा,ओम प्रकाश. (). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.नोएडा: मयूर पेपर बैक्स. 3. कमल,प्रो. के.एल.(). *प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 4. लास्की,एच.जे. (). *राजनीतिकव्याकरण*. राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी. 5. शर्मा,प्रभुदत्त. (). *पाश्चात्यराजनीतिक चिंतन*.दिल्ली:कालेज बुकडिपो. 6. शर्मा, प्रभुदत्त. (). *अर्वाचीन राजनीतिक चिंतन मार्क्स से अब तक*.दिल्ली:कालेज बुक डिपो. 7. वेपर,सी.एल. (). *राजनीतिकदर्शन का स्वाध्याय*.इलाहाबाद:किताब महल. 8. सेबाइन. (). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास (हिंदी/अंग्रेजी)*. नई दिल्ली:एस चन्दएण्ड कंपनी. 9. मैकियावेली. (). *The Prince /शासक*. हिंदपाकेट बुक्स. 10. नखाडे,नागपाल., नखाडे,अमृत. (). *प्रमुख राजनीतिक विचारक*.दिल्ली: किताब महल. 11. गाबा,ओम प्रकाश. ().*राजनीतिकविचारक विश्वकोश*.नोएडा: मयूर पेपर बैक्स. 12. मुखर्जी,सुभर्तो. (). *पाश्चात्यक राजनीतिक विचारक*.दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय 13. पुरोहित,वी.आर. (). *राजनीतिकचिंतन का विकास*.राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:प्रमुखराजनीतिकविचारधाराएं
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: **बीएपीएस-09**
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** पंचम
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी विश्व की प्रमुख विचारधाराएँ जैसे आदर्शवाद, यथार्थवाद, व्यक्तिवाद, उदरवाद, पूंजीवाद, समाजवाद, साम्राज्यवाद, उदारीकरण, पर्यावरणवाद, नारीवाद आदि के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे तथा साथ ही विभिन्न विचारधाराओं के उद्भव एवं विकासक्रम का विश्लेषण कर सकेंगे ।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी पूंजीवाद, समाजवाद एवं साम्राज्यवाद के विषय में अवधारणात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी व्यक्तिवाद एवं अधिनायकवाद के बीच मूलभूत अंतरों के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी अराजकतावाद, सर्वाधिकारवाद, एवं राष्ट्रवाद की अवधारणा के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी उदारीकरण, पर्यावरणवाद एवं नारिवाद की अवधारणा का विश्लेषण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	अदर्शवाद	3		1	15	25
	यथार्थवाद	2		1		
	व्यक्तिवाद	3		1		
	उदारवाद	3		1		
मॉड्यूल-2	पूंजीवाद	2		1	15	25

	समाजवाद/साम्यवाद	3		1		
	साम्राज्यवाद/उपनिवेशवाद/नव उपनिवेशवाद	3		1		
	एकात्म मानववाद	3		1		
मॉड्यूल-3	अराजकतावाद	3		1	12	25
	सर्वाधिकारवाद	3		1		
	अधिनायकवाद	2		1		
	राष्ट्रवाद	3		1		
मॉड्यूल-4	भूमंडलीकरण एवं वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा	4		1	15	25
	पर्यावरणवाद एवं संपोषणीय विकास (भारतीय एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य)	4		1		
	नारीवाद(भारतीय एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य)	4		1		
योग		**45**		**15**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. दधीच,नरेश. (). *समकालीन राजनीतिक सिद्धांत*.जयपुर:रावत पब्लिकेशन्स. 2. सिंहल,एस. सी., अग्रवाल,लक्ष्मीनारायण. ().*आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत*.आगरा. 3. सिबली,एम. के. बी. (). *राजनीतिक विचार एवं विचारधाराएँ*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 4. किमिल्का,विल. (). *समकालीन राजनीतिक दर्शन*.नई दिल्ली:पीयरसन. 5. यादव,डी. एस. (). *राजनीतिक विचारक एवं विचारधारायें*.नई दिल्ली:डिस्कवरी पब्लिकेशन. 6. सिबली,मलफर्ड क्यू. (). *राजनीतिक विचारक एवं विचारधारायें*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 7. शर्मा,डॉ. गोविन्द प्रसाद., दुबे, प्रभा. (). *प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक एवं विचारधारायें.* 8. कुमार,डॉ. सुधीर. (). *राजनीतिक सिद्धांत*.नई दिल्ली:राजपाल पब्लिकेशन. 9. वर्मा,विश्वनाथ प्रसाद. (). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारधारा*.जयपुर:कॉलेज बुक डिपो.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. पाठ्यचर्या का नाम:लोकप्रशासन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: **बीएपीएस -10**
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** पंचम
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में लोक प्रशासन के अर्थ, प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र, विकास एवं प्रमुख सिंद्धातों को सम्मिलित किया गया है। इस पाठ्चर्या का उद्देश्य लोकप्रशासन की प्रकृति को स्पष्ट करना तथा राजनीति विज्ञान में लोकप्रशासन के महत्व पर प्रकाश डालना है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी लोक प्रशासन के कार्यविधि को समझ सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी लोक प्रशासन के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के विभिन्न दृष्टिकोणों के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे तथा लोक प्रशासन, निजी प्रशासन, विकास प्रशासन एवं नवीन लोक प्रशासन के विभिन्न दृष्टिकोणों की समझ विकसित कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी लोक प्रशासन के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी लोक प्रशासन में संचार व्यवस्था, संगठन प्रबंधन, सार्वजनिक नियमों तथा उद्देश्य आधारित प्रबंधनों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी लोक प्रशासन के अंतर्गत कार्मिक प्रशासन, नौकरशाही एवं वित्तीय प्रशासन के सिद्धांतों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	लोक प्रशासन काअर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र (पाश्चात्य एवं भारतीय दृष्टि)	3		1	15	25
	लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन	3		1		
	लोक प्रशासन का एक	6		1		

	विषय के रूप में विकास एवं नवीन लोक प्रशासन					
मॉड्यूल-2	संगठन का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र	3		1	15	25
	संगठन के प्रकार (औपचारिक एवं अनौपचारिक)	3		1		
	संगठन के सिद्धांत (पादसोपान, नेतृत्व, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता, समन्वय एवं संचार)	6		1		
मॉड्यूल-3	लोक प्रशासन के सिद्धांत, परंपरावादी (शास्त्रीय) सिद्धान्त	2		1	15	25
	नौकरशाही का सिद्धान्त	2		1		
	वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धांत	2		1		
	मानव संबंध सिद्धांत	2		1		
	निर्णय-निर्माण सिद्धांत	2		1		
मॉड्यूल-4	कार्मिक प्रशासन : भर्ती, पदोन्नति, प्रशिक्षण	2		1	15	25
	वित्तीय प्रशासन, लेखांकन एवं लेखापरीक्षण	3		1		
	बजट के प्रकार एवं बजट निर्माण की प्रक्रिया	3		1		
	ओम्बुड्समैन, लोकपाल एवं लोकायुक्त	3		1		
योग		**45**		**15**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ज्ञान शांति मैत्री

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. शर्मा,एम. पी. ().*लोक प्रशासन सिद्धांत एवं व्यवहार*.नई दिल्ली:किताब महल. 2. अग्रवाल,लक्ष्मीनारायण., अवस्थी एंव माहेश्वरी. (). *लोक प्रशासन*.आगरा. 3. सिंह,होशियार., सचदेवा,प्रदीप. (). *लोक प्रशासन के सिद्धांत एवं व्यवहार*.नई दिल्ली:पीयरसन. 4. अग्रवाल,लक्ष्मीनारायण., सिंहल,एस. सी. ().*लोक प्रशासन के तत्व*. आगरा. 5. फाडिया एवं फाडिया. (). *लोक प्रशासन*.आगरा:साहित्य भवन. 6. जैन,पुखराज. ().*लोक प्रशासन के सिद्धांत*.आगरा:साहित्य भवन. 7. भाम्बरी,सी. पी. (). *लोक प्रशासन*.साहित्य भवन. 8. लक्ष्मीकांत. ().*लोक प्रशासन*.नई दिल्ली:टी. एम. एच.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:भारतीयप्रशासन
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -11
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: पंचम**
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को भारतीय प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना है। इसके माध्यम से छात्र लोक उपक्रम, स्वतंत्र नियामकीय आयोग, योजना आयोग, नीति आयोग, क्षेत्रीय परिषद, सु-शासन, ई-शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारतीय प्रशासन के विकास एवं प्रशासन के दार्शनिक और संवैधानिक ढाँचे को समझ सकेंगे तथा साथ ही केंद्रीय, राज्य एवं स्थानीय प्रशासन की संगनात्मक संरचना एवं कार्यों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी सु-शासन, ई-शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, सार्वजनिक सेवा प्रणाली व प्रशासनिक भ्रष्टाचार के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी लोक उपक्रम, स्वतंत्र नियामकीय आयोग, एवं योजना आयोग एवं नीति आयोग के कार्यो के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारतीय प्रशासन का विकास	3		1	15	25
	भारतीय प्रशासन का दार्शनिक ढाँचा	4	1	1		
	भारतीय प्रशासन का संवैधानिक ढाँचा	4		1		

मॉड्यूल-2	केन्द्रीय प्रशासन की संरचना	4		1	15	25
	राज्य प्रशासन की संरचना	4		1		
	जिला एवं स्थानीय प्रशासन की संरचना	4		1		
मॉड्यूल-3	सु-शासन/ई-शासन	3		1	15	25
	पारदर्शिता एवं जवाबदेही, जनसहभागिता	4	1	1		
	सार्वजनिक सेवा प्रदायगी (सूचना का अधिकार अधिनियम एवं नागरिक चार्टर)	3	1	1		
मॉड्यूल-4	भारत में नियोजन(योजना आयोग, नीति आयोग) एवं आर्थिक विकास	3	1	1	15	25
	भारत में वित्तीय प्रबंधन	3	1	1		
	भारत में प्रशासनिक सुधार	3	1	1		
योग		**42**	**6**	**12**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. भट्टाचार्य,मोहित. *लोक प्रशासन के नये आयाम*.नई दिल्ली:जवाहर पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2. बासु,रूमकी. (). *लोक प्रशासन (बदलते परिपेक्ष्य)*.दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 3. सिंह,होशियार., सचदेवा,प्रदीप. (). *लोक प्रशासन (सिद्धांत एवं व्यवहार)*.नई दिल्ली:पीयरसन. 4. यादव, सुषमा. ().*लोक प्रशासन (सिद्धांत एवं व्यवहार)*.हैदराबाद:ओरियंट ब्लैक स्वान. 5. सिन्हा,मनोज. (). *प्रशासन एवं लोकनीत*.हैदराबाद:ओरियंट ब्लैक स्वान. 6. सिंह,कमल कुमार., गुप्ता,सुनिल. (). *सुशासन*.नई दिल्ली:एन.बी. टी. 7. कटारिया,डॉ. सुरेन्द्र. (). *भारत में लोक प्रशासन*.जयपुर:आर. बी. एस. पब्लिशर्स. 8. जैन,आर. वी. (). *भारतीय समाज, अधिकारी तंत्र और सुशासन*.दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. चक्रवर्ती,विद्युत. (). *वैश्वीकृत दुनिया में लोक प्रशासन*.नई दिल्ली: सेज प्रकाशन. 10. लक्ष्मीकांत. (). *लोक प्रशासन*. नई दिल्ली: टी. एम. एच.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:**अंतर्राष्ट्रीयराजनीतिकेप्रमुखसिद्धान्त
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -12
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** षष्टम
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या **अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और परिणामों का निरूपण है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध के प्रमुख उपागम एवं सिद्धांतों की व्याख्या करता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों के विषय में सोचने एवं समझने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगा। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के बारे में जानेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों, राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, उपयोग व सीमाओं के साथ साथ शक्ति संतुलन व समूहिक सुरक्षा, राष्ट्रीय हित, विदेश नीति, राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा को बदलती हुई अवधारणा व राष्ट्र राज्य की चुनौतियों, युद्ध एवं संघर्ष, शस्त्र नियंत्रण एवं निशस्त्रीकरण के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के बारे में जान सकेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, उपयोग व सीमाओं के साथ साथ शक्ति संतुलन व समूहिक सुरक्षा के अभिप्राय को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय हित, विदेश नीति, राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की बदलती हुई अवधारणा व राष्ट्र राज्य की चुनौतियों के बारे में समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी युद्ध एवं संघर्ष, शस्त्र नियंत्रण एवं निशस्त्रीकरण तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति में राज्येत्तर कर्ता की भूमिका के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		

मॉड्यूल-1	अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र	2			6	20
	अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की भूमिका	2				
	अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति की अवधारणा	2				
मॉड्यूल-2	यथार्थवाद/नवयथार्थ वाद	2		1	9	30
	उदारवाद/नवउदारवाद	2		1		
	व्यवस्था सिद्धांत,निर्णय निर्माण सिद्धांत, खेल सिद्धांत, सौदेबाजी का सिद्धांत	2		1		
मॉड्यूल-3	राष्ट्रीय हित की अवधारणा	2			6	20
	विदेश नीति एवं राजनय	2				
	गुटनिरपेक्षता की अवधारणा एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन	2				
मॉड्यूल-4	शक्ति संतुलन की अवधारणा	2		1	9	30
	सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा	2				
	निशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण	3		1		
योग		**25**		**5**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. बिस्वाल,त. (). *अंतरराष्ट्रीय संबंध.* हैदराबाद: ओरियंट ब्लैंक स्वान. 2. कुमार,अ. (). अंतरराष्ट्रीय सिद्धांत.नई दिल्ली: पीयरसन. 3. नंदलाल, एवं कुमार, म. ().*अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत.* आगरा: शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी. 4. मार्गेंथाऊ, हा.जे. ().*राष्ट्र के मध्य राजनीति.*पंचकुला: हरियाणा साहित्यअकादमी. 5. फाडिया,बी. एल. (). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन. 6. घई,यू. आर. (). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. जालंधर: न्यू एकेडमिक पब्लिसिंग कंपनी. 7. खन्ना,वी. एल. (). *अंतरराष्ट्रीय संबंध.* नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग. 8. पाल,एस. (). *अंतरराष्ट्रीय संबंध.*नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 9. प्रसाद,वी. एल. (). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. नई दिल्ली: विश्वविद्यालय पब्लिकेशन. 10. यादव,डॉ. डी. एस. (). *अंतराष्ट्रीय राजनीतिक संबंध.*नई दिल्ली: रजत पब्लिकेशन्स. 11. त्रिपाठी,सुशील कुमार. ().*गुटनिरपेक्ष आंदोलन और जवाहरलाल नेहरू.*नई दिल्ली:कनिष्क प्रकाशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:भारतकीविदेशनीतिएवंअंतर्राष्ट्रीयसंबंध
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -13
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: षष्टम**
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के माध्यम विद्यार्थी भारत की विदेश नीति के उद्देश्य, सिद्धान्त व निर्धारक तत्वों से अवगत हो सकेंगे तथा साथ ही भारत की पड़ोसी देशों एवं विश्व के प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों का अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारत की विदेश नीति के उद्देश्य, सिद्धान्त व निर्धारक तत्वों के साथ साथ गुटनिरपेक्ष आंदोलन की पृष्टभूमि सिद्धान्त एवं उसकी प्रासंगिकता का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत का अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधो कीव्याख्या एवं सार्क के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, आसियान, दक्षिण कोरिया, मध्य एशिया आदि देशों के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत एवं महाशक्तियों के साथ सम्बन्ध तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं यूरोपीय संघ के देशों के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर इसके बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारतीय विदेश नीति की ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक पृष्ठभूमि	2		1	15	25

	भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व	3		1		
	भारतीय विदेशनीति के प्रमुख सिद्धांत एवं उद्देश्य	3		1		
	गुटनिरपेक्ष आंदोलन एव भारतीय विदेश नीति	3		1		
मॉड्यूल-2	भारतीय विदेश नीति : 1947 से वर्तमान तक	3		1	15	25
	भारत का पडोसी देशों का संबंध	3		1		
	भारत एवं प्रादेशिक संगठन– राष्ट्रमंडल, सार्क, आशियान, हिमतक्षेस	5	1	1		
मॉड्यूल-3	भारत और अमेरिका के मध्य संबंध	3		1	15	25
	भारत और रूस के मध्य संबंध	2		1		
	भारत और चीन के मध्य संबंध	2		1		
	भारत का अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक शक्तियों के साथ संबंध	3	1	1		
मॉड्यूल-4	भारतीय परमाणु नीति	3		1	15	25
	संयुक्तराष्ट्र का लोकतंत्रीकरण और भारतीय कूटनीति	4	1	1		
	वर्तमान वैश्विक राजनीति एवं भारत की भूमिका	3	1	1		
योग		**42**	**4**	**14**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. पंत, पु. ().*भारत की विदेश नीति*. नई दिल्ली: टी.एम.एच. : 2. यादव,आर. एस. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:पीयरसन. 3. मौर्य, जे. ().*आधुनिक भारत और उसके पड़ोसी* देश.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स. 4. सीकरी,राजीव. (). *भारत की विदेशी नीति*.नई दिल्ली:सेज प्रकाशन. 5. सिंह,पंकज कुमार. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:प्रकाशन संस्थान. 6. दीक्षित,जे. एन. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:सेज प्रकाशन. 7. शर्मा,आर. पी. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी प्रकाशन. 8. दत्त,वी. पी. (). *बदलती दुनिया में भारत की विदेशी नीति*.नई दिल्ली:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. गुटनिरपेक्ष आंदोलन और पं. जवाहरलाल नेहरू, सुशील कुमार त्रिपाठी, कनिष्क प्रकाशन, नई दिल्ली
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम:द्वितीयविश्वयुद्धोत्तरअंतर्राष्ट्रीयराजनीति
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएपीएस -14
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: षष्टम**
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक के सात दशकों में राष्ट्रों को इस बात का भली भांति एहसास हो गया है कि युद्ध से विध्वंश ही हो सकता है, किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं। अब राष्ट्र परस्पर जुड़ कर विकास कि यात्रा तय करना चाहते हैं। इस सोच में अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति या राष्ट्रों के मध्य राजनीति कुछ ज्यादा सक्रिय और ज्यादा जीवंत हो गई है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अध्येयता को अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का सामान्य परिचय देना है। इसके उध्ययन के पश्चात छात्र अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की यव्याव्येता से परिचित हो सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- द्वितीय विश्व युद्ध ने न केवल अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को मूलभूत रूप में प्रभावित किया अपितु कई महत्वपूर्ण मुद्दों की अभिव्यक्ति भी की, अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के कारकों मे परिवर्तन, उन कारकों को व्यापक स्वरूप प्रदान करना, नवीन सिद्धांतो का प्रतिपादन आदि अनेक विषयों के अतिरिक्त अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का पूर्ण परिवेश ही बादल कर रख दिया। इस पाठ्चर्या के अध्ययन से विद्यार्थी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद भी अंन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी द्वितीय विश्वयुद्धोतर अंन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों का विशिष्ट, तार्किक तथा वैज्ञानिक दृष्टि से अवलोकन कर अंन्तर्राष्ट्रीय संबंधो की वास्तविकता को समझ सकेंगे।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात वदलते अंन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य को उसके ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं वैज्ञानिक विकास को वर्तमान अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक संदर्भों के साथ जोड़ कर देखने का प्रयास कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर	3		1	15	25

	अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तियाँ					
	शीत युद्ध की उत्पत्ति, विकास एवं तनाव शैथिल्य	3		1		
	तनाव शैथिल्य तथा इसका विश्व राजनीति पर प्रभाव	3		1		
	साम्यवादी गुट का विघटन एवं शीतयुद्ध की समाप्ति	3				
मॉड्यूल-2	तृतीय विश्व की अवधारणा	2		1	15	25
	गुटनिरपेक्षता की अवधारणा	2		1		
	नई अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था	2		1		
	उत्तर-दक्षिण सहयोग	2		1		
	दक्षिण-दक्षिण सहयोग	2		1		
मॉड्यूल-3	उत्तर-शीत युद्ध का वैश्विक परिदृश्य	3	1	1	15	25
	एकल ध्रुवीय विश्व की संकल्पना	3	1	1		
	नई विश्व व्यवस्था एवं बहुध्रुवीय विश्व की संकल्पना	3	1	1		
मॉड्यूल-4	समकालीन वैश्विक मुद्दे; मानवाधिकार एवं मानव-सुरक्षा	3		1	15	25
	आतंकवाद एवं परमाणु युद्ध का संकट	3		1		
	जलवायु परिवर्तन	2		1		
	संयुक्त राष्ट्र का लोकतांत्रिकरण	3		1		
योग		**42**	**3**	**15**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पिपीटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
राजनीति विज्ञान के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य/संदर्भ-ग्रंथ	1. कुमार, अ. (). *अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत* नई दिल्ली: पीयरसन. 2. कुमार, म. (). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत*. आगरा: शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी. 3. खन्ना,वी.एन. (). *अंतरराष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस. 4. घई,यू.आर. (). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. जालंधर: न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग हाऊस. 5. पाल, एस. ().*अंतरराष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. .6. प्रसाद,बी.एल. (). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 7. पंत,पु. (). *अंतरराष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: टी.एम.एच.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	